सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 339 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 19 जनवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

मैंने सीखा है कि लोग भूल जायेंगे की आपने क्या कहा, लोग भूल जायेंगे कि आपने क्या किया, लेकिन लोग ये कभी नहीं भूलेंगे कि आपने उन्हें कैसा महसूस कराया।

-माया एंजिलो

नौजवान, स्मार्ट और जिज्ञासू हैं राहुल... 7 | पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के रण में... 3 | तेलंगाना में भाजपा पर बरसे सपा... 2

कुश्ती महासंघ अध्यक्ष के खिलाफ मैदान में कूदे 'पहलवान'

डब्ल्यूएफआई की लड़ाई हरियाणा बनाम यूपी हुई!

» बजरंग पूनिया ने कहा-कोई टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे, महिला रेसलिंग कैंप हो गया रद

» साक्षी-विनेश ने रखा मौन व्रत, जंतर-मंतर पर दूसरे दिन भी जारी है धरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ अध्यक्ष के खिलाफ पहलवानों के मैदान में कूदने का मामला हरियाणा बनाम उत्तर प्रदेश होता नजर आ रहा है। जहां हरियाणा राज्य के कई खिलाड़ी अध्यक्ष के खिलाफ मैदान में कूद पड़े हैं। वहीं यूपी की पहलवान अर्जुन अवार्डी दिव्या काकरान ने अध्यक्ष बृजभूषण सिंह का बचाव किया है।

उधर, भारतीय पहलवान लगातार दूसरे दिन भी जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। बता दें कि विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि कोच भी सालों से महिला खिलाड़ियों का यौन शोषण कर रहे हैं। खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई से 72 घंटे के अंदर जवाब तलब किया है। धरनारत खिलाड़ी साक्षी मलिक और विनेश फोगाट ने आज मौन व्रत शुरू कर दिया है। बजरंग पूनिया ने कहा है कि जब तक समस्या का हल नहीं निकल जाता, तब तक टॉप रेसलर्स कोई टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। उधर खिलाड़ियों के विरोध के चलते खेल मंत्रालय ने लखनऊ का महिला रेसलिंग कैंप रद कर दिया। महावीर फोगाट का कहना है कि लड़ाई डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ है, संघ या सरकार से इससे कोई लेना देना नहीं है। गीता फोगाट ने भी धरने का समर्थन किया है। बबिता फोगाट जल्द ही इसका समाधान निकलने की बात कह रही हैं।

"हमारे खिलाड़ी देश की शान हैं। विश्व स्तर पर अपने प्रदर्शन से वे देश का मान बढ़ाते हैं। कुश्ती फेडरेशन व उसके अध्यक्ष पर खिलाड़ियों ने शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन खिलाड़ियों की आवाज सुनी जानी चाहिए।

प्रियंका गांधी
कांग्रेस महासचिव

'आरोप सही निकले तो फांसी चढ़ा देना'

डब्ल्यूएफआई चीफ और यूपी के कैसरगंज से सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा है कि एक भी आरोप सही निकले तो फांसी चढ़ा देना। उन्होंने कहा, पहलवानी में सबसे बेहतर परफॉर्मेंस की उम्र 22 से 28 के बीच होती है। प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ी ओलिंपिक मेडल नहीं जीत सकते। यह वजह गुस्से में तब्दील हो रही है और इसीलिए वो विरोध कर रहे हैं।

दिव्या ने बृजभूषण का किया बचाव

अर्जुन अवार्डी पहलवान दिव्या काकरान ने कहा कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वह गलत हैं। पिछले दस साल से वह खुद पहलवानों क कैंप का हिस्सा है, कभी भी किसी के साथ बदसलूकी नहीं की गई। भारतीय पहलवान को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं देने का काम किया गया है।

दिल्ली में अब अफसरशाही पर छिड़ी रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली देश ही नहीं राजनीति की भी राजधानी है। यहां केन्द्र बनाम राज्य सरकार का विवाद गहराता जा रहा है। केन्द्र के नुमाइंदे उपराज्यापाल के कारनामों से परेशान केजरीवाल सरकार की रार आए दिन नए रूप में सामने आती है। अभी तक दिल्ली मेयर के चुनाव को लेकर छिड़ी जंग थमी भी नहीं थी कि अब अफसरों पर रार छिड़ गई है।

दिल्ली विधानसभा में आज आम आदमी पार्टी के सदस्यों ने मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव व वित्त सचिव के निलंबन की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया। नारेबाजी करते हुए आप के विधायक वेल में आ गये और पुरजोर तरीके से तीनों सचिवों को निलंबित किये जाने का नारा लगाते रहे। बता दें कि, बीते रोज आप के विधायक महेंद्र गोयल ने विधानसभा में नोटों की गड्डियां लहराई थी।

विधानसभा में आप सदस्यों ने मुख्य, स्वास्थ्य व वित्त सचिव के निलंबन की उठाई मांग

विधायक का कहना था कि स्वास्थ्य विभाग समेत सभी विभागों में रिश्वत का खेल चल रहा है। उनको भी रिश्वत के रूप में 15 लाख की पेशकश की गई, जिसको उजागर करने के लिए रिश्वत की इस रकम को सदन के सामने उजागर कर रहे है। इसके बाद से विधानसभा का माहौल गरमाया हुआ है।

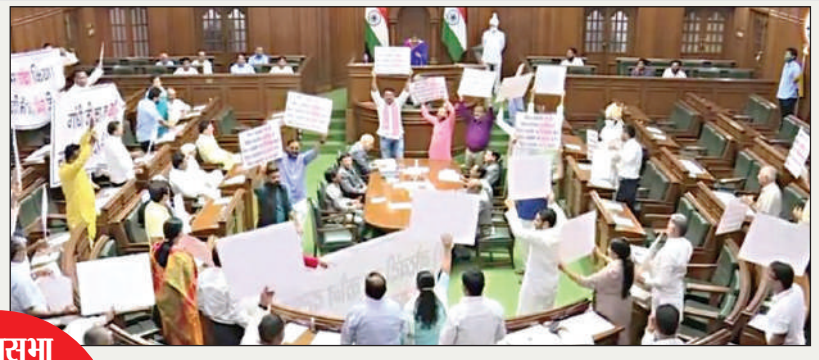

तेलंगाना में भाजपा पर बरसे सपा मुखिया, कहा-भ्रमजाल की पार्टी है

मोदी के पास सिर्फ 399 दिन : अखिलेश

» कहा-यूपी में निवेश के नाम पर मिला सिर्फ धोखा, महंगाई-बेरोजगारी पर मौन है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव ने खम्मम में मेगा रैली का आयोजन कर किया। इसमें 4 वर्तमान मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी शामिल हुए। इस दौरान रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कल बीजेपी की कार्यकारिणी बैठक खत्म हुई। उन्होंने कहा कि 400 दिन बाकी है, हमें तो लगता था कि ये सरकार वो है, जो दावा करती थी कि हटेगी नहीं, लेकिन अब वो स्वयं स्वीकार रहे हैं कि अब 400 दिन है।

अखिलेश ने कहा कि जो सरकार अपने दिन गिनने लगे तो समझ लो ये सरकार 400 दिन बाद रुकने वाली नहीं है।

अब भाजपा सरकार के 400 नहीं मात्र 399 दिन रह गए हैं। यह बचने वाली नहीं है। देश में जल्दी ही नई सरकार बनेगी।

अखिलेश ने कहा, भाजपा भ्रमजाल पार्टी है। वह भ्रम और नफरत फैलाती है। लोकतंत्र में विपक्षी नेताओं और सरकारों को जो मदद और सम्मान मिलना चाहिए। नहीं मिल रहा है। किसान, नौजवान सब परेशान है। उन्हें सपने दिखाए जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा भाजपा सरकार विपक्ष के प्रति साजिशें रचती रहती है कि कैसे उन्हें दबाया जाए। विपक्षी नेताओं की छवि को धूमिल किया जाए। ऐसा भाजपा की सोची समझी रणनीति के तहत ही होता है। तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। न्याय फिर कहां से मिलेगा? भाजपा बुनियादी मुद्दों बेरोजगारी, महंगाई से मुंह चुराती है। उन्होंने कहा कि किसानों की आमदनी 2022 तक दुगुनी करने का वादा था। वह वादा पूरा होने वाला नहीं है। यूपी में निवेश के नाम पर धोखा हो रहा है। नौजवानों का भविष्य चौपट है। महंगाई पर भाजपा क्यों मौन है? जिन्हें पीएम बनना होता है, वे यूपी जरूर आते है। वर्तमान पीएम गुजरात से आए। यहां लोगों को धोखा मिला। गंगा आस्था, संस्कृति की नदी है। उसमें विलास का क्रूज चलाया जा रहा है। गंगा नदी को वे साफ नहीं कर पाये।

भाजपा ने देश को विकास में पीछे किया

अखिलेश यादव ने कहा तेलंगाना में केसीआर सरकार ने बहुत काम किया है। लेकिन, उसका प्रचार ज्यादा नहीं हुआ है। इस सरकार ने किसानों के खेत तक और घरों तक जल पहुंचाने की व्यवस्था की। जिसकी नकल केन्द्र की भाजपा सरकार कर रही है। भाजपा ने देश को विकास में पीछे किया है। हम सब मिलकर देश को आगे ले जाने का काम करेंगे। आज के कार्यक्रम से देश को नया संदेश मिलेगा। तेलंगाना से भाजपा का सफाया होने वाला है। यूपी से भी भाजपा का सफाया होगा।

सपा ही भाजपा को उखाड़ फेंकने में सक्षम : शिवपाल

बलिया। सपा अकेले उत्तर प्रदेश से भाजपा को हटाने में सक्षम है। वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल यादव ने बात बलिया में कही। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों का मोर्चा बनाए जाने के सवाल पर कहा कि सपा नेता और विधायक यादव ने फेफना में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए सपा को भगवान राम व कृष्ण का अनुयायी करार दिया। उन्होंने कहा कि हम भगवान राम व कृष्ण को मानने वाले लोग हैं तथा इनके विचारों पर चलने वाले हैं। सपा के लोग संघर्ष के पथ पर निकलेंगे तथा निश्चित है कि लंका जलेगी। यादव ने कहा कि उनका लक्ष्य फिलहाल 2024 में होने वाले आम चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने व 2027 में उत्तर प्रदेश के होने वाले विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। भतीजे अखिलेश यादव के साथ सुलह होने के बाद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह के सुर अब बदल गए हैं। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के संस्थापक और समाजवादी पार्टी विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि उन्होंने भतीजे अखिलेश यादव को अपना नेता स्वीकार कर लिया है और सपा उनकी पार्टी है, पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि उन्हें अभी तक सपा में कोई पद नहीं मिला है, शिवपाल यादव ने कहा कि अखिलेश यादव मेरे भतीजे और सपा अध्यक्ष हैं, मैंने उन्हें अपना नेता स्वीकार किया है, उनकी तरह मैं भी सपा का विधायक हूं, सपा मेरी पार्टी है और मैं पहले पदों पर भी रहा हूं। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी के लोग संघर्ष के पथ पर निकलेंगे और निश्चित है कि अब लंका जलेगी।

पारसनाथ हिल्स पर सियासी घमासान

धार्मिक स्थल पर राजनीति बर्दाश्त नहीं : हेमंत सोरेन

» कहा-खेली जा रही है विभाजनकारी राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी पर पारसनाथ हिल्स यानी मारंग बुरु पर 'विभाजनकारी' राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य में पहले कभी किसी धार्मिक स्थल को लेकर इस तरह का विवाद नहीं देखा गया। जैन समुदाय झारखंड सरकार द्वारा पारसनाथ हिल्स को पर्यटन स्थल में तब्दील करने के फैसले का विरोध कर रहा है, क्योंकि वह उसे अपने पवित्र स्थानों में से एक मानता है।

आदिवासी पारसनाथ हिल्स को सबसे पवित्र 'जेहरथन' (पूजा स्थल) मानते हैं। सोरेन ने गिरिडीह में एक रैली में कहा कि एक धार्मिक स्थल पर राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पिछले महीने शुरू हुए पारसनाथ हिल्स विवाद के पीछे केंद्र और भाजपा के

छिपे हुए एजेंडे पर संदेह करते हुए मुख्यमंत्री ने आदिवासी समुदाय को आश्वासन दिया कि मारंग बुरु (सर्वोच्च शक्ति या देवता) वहीं बने रहेंगे। सोरेन खतियानी जौहर यात्रा के दूसरे चरण के दौरान गिरिडीह में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विभाजनकारी राजनीति खेली जा रही है। वे हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों और पिछड़ों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा छीन रही लोगों की नौकरियां : मौर्य

» कहा-भाजपा ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह कर रही काम, किसान और व्यापारी सब परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। कभी बीएसपी में रहते हुए मायावती के खास सिपहसालार रहे बीजेपी सरकार के पूर्व मंत्री सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने योगी-मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में देश की अर्थव्यवस्था खतरे में है। बीजेपी ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह देश की सरकारी कंपनियों को बेच रही है और लोगों की नौकरियां छीन रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो बीजेपी सरकार के खिलाफ हैं, सपा उन्हें जोड़ने की कोशिश कर रही है। बस्ती में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी सरकार पर निशाना

साधते हुए कहा कि बीजेपी के सरकार में पूरे देश की अर्थव्यवस्था खतरे में है। यहां तक कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह देश की सभी सरकारी कंपनियों को बेच रही है। लोगों की नौकरियां छीन रही है। युवाओं को बेरोजगार बना रही है। उन्होंने कहा कि छुट्टा पशुओं का कहर किसानों की फसलों पर पड़ रहा है। इसके अलावा व्यापारियों को जीएसटी ने परेशान कर के रख दिया है इसलिए बीजेपी से जो भी लोग परेशान हैं उन्हें समाजवादी पार्टी अपने साथ जोड़ रही है।

क्यों बंद नहीं हो रही ईवीएम?

स्वामी प्रसाद मौर्य ने ईवीएम को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जब उन देशों में जहां ईवीएम की शुरुआत हुई थी, जनभावना को देखते हुए ईवीएम को बंद कर दिया गया तो फिर भारत में ईवीएम का प्रयोग क्यों हो रहा है? भारत में भी चुनाव आयोग को चाहिए कि जनभावना की मांग पर ईवीएम बंद करके बैलट पेपर से चुनाव कराए क्योंकि इंडिया में पेपर से चुनाव ज्यादा सही है। ईवीएम में गड़बडियों की आशंका भी बनी रहती है। बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य बस्ती में एक कार्यकर्ता सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे, जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आने वाले चुनाव को लेकर जोश भरने का काम किया और कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए कमर कसकर तैयार रहने को भी कहा।

भारतीय राजनीति में जैसिंडा अर्डर्न जैसे लोगों की जरूरत : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की पीएम जैसिंडा अर्डर्न ने अपने पद से इस्तीफा देने का एलान किया है। जैसिंडा अगले महीने प्रधानमंत्री पद की कुर्सी छोड़ देंगी। जैसिंडा ने ये भी कहा कि वो अगले चुनाव में पीएम पद के लिए खड़ी नहीं होंगी। जैसिंडा के इस फैसले पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की प्रतिक्रिया सामने आई है। जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय राजनीति को जैसिंडा जैसे लोगों की जरूरत है। जयराम रमेश ने गुरुवार को एक ट्वीट किया है।

उन्होंने ट्वीट कर लिखा, महान क्रिकेट कमेंटेटर, विजय मर्चेंट ने अपने करियर के चरम पर रिटायरमेंट के बारे में कहा था, जाओ जब लोग पूछे की वह क्यों जा रहा है, ये ना पूछें कि वह क्यों नहीं जा रहा है। पीएम जैसिंडा अर्डर्न ने कहा है कि वह मर्चेंट की कहावत का पालन कर अपना पद छोड़ रही है। भारतीय राजनीति को उनके जैसे और लोगों की जरूरत है। जैसिंडा अर्डर्न ने बताया कि वो 7 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा दे देंगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड के विधानसभा चुनावों का एलान हो गया है। त्रिपुरा में 16 फरवरी और मेघालय-नगालैंड में 27 फरवरी को मतदान होगा। तीनों ही राज्यों में चुनाव के नतीजों की घोषणा दो मार्च को होगी। तीनों ही राज्यों में 60-60 सदस्यीय विधानसभा है। चुनावों की तारीखों की घोषणा होते ही सभी राजनीतिक दल भी चुनावी मोड में आ गए है। अब आने वाले दिनों में इन राज्यों में चुनावी सरगर्मी तेजी पकड़ने लगेगी। जहां सत्तारुढ़ भाजपा अपनी सत्ता को बरकार रखने के लिए ताल ठोकेगी वहीं कांग्रेस अपने अस्तित्व को बचाने की कोशिश में जुटी हैं। हालांकि वहां की क्षेत्रीय पार्टियां अपना वर्चस्व कायम रखने को मैदान में उतरेंगी।

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के रण में योद्धा जंग को तैयार

- भाजपा को सत्ता बरकरार रखने की चुनौती
- कांग्रेस की अस्तित्व बचाने की कोशिश
- क्षेत्रीय पार्टी बन सकती हैं गेम चेंजर

मेघालय में कांग्रेस को बदलनी होगी रणनीति

एनपीपी दूसरी बड़ी पार्टी, बीजेपी से गठबंधन कर बनाई सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों की घोषणा के साथ ही पूर्वोत्तर के अहम प्रदेश मेघालय में राजनैतिक दलों ने कमर कसना शुरू कर दिया। कभी पीएम संगमा की वजह से भारतीय राजनीति में अपनी खास जगह रखने वाला यह राज्य कांग्रेस का गढ़ था। पर संगमा के कांग्रेस से जाने के बाद वहां पर कांग्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ा। पीए संगमा ने नई पार्टी एनसीपी के साथ जाकर राज्य में अपनी मूल पार्टी को हांसिए पर पहुंचा दिया था। बाद में उन्होंने अपनी खुद की पार्टी बनाकर अपने को राजग का हिस्सा बन केंद्रीय राजनीति में स्थापित कर लिया था।

वह अटल सरकार के समय लोक सभा अध्यक्ष बने। संगमा के कांग्रेस से अलग होने का फायदा वहां के अन्य दलों को भी मिला। वर्तमान में पूर्व लोक सभा अध्यक्ष दिवंगत पीएम संगमा के पुत्र कोनराड संगमा नेशनल पीपूल्स पार्टी को संभाल रहे हैं। उनकी वर्तमान में सरकार है। जिसे भाजपा का समर्थन हासिल है। वहीं कांग्रेस को वहां तृणमूल कांग्रेस तगड़ा झटके दे रही। टीएमसी कांग्रेस के विधायकों को अपने पाले में करके कांग्रेस को कमजोर कर रही। हालांकि 2018 में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। मेघालय विधानसभा का कार्यकाल 15 मार्च को समाप्त हो रहा है। मेघालय विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय दलों के साथ-साथ क्षेत्रीय दलों नें भी तैयारी शुरू कर दी है। मेघालय में विस की 60 सीटें हैं। साल 2018 में यहां 59 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए थे। तब कांग्रेस यहां सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। कांग्रेस को 21 सीटों पर जीत हासिल हुई है। एनपीपी दूसरी बड़ी पार्टी के रूप में सामने आई, जिसके खाते में 19 सीटें थी। वहीं बीजेपी को 2 सीटों पर जीत मिली थी, यूडीपी की 6 सीटें हासिल हुईं थी।

2018 में कांग्रेस मेघालय में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी

ये हैं प्रमुख सियासी दल

मेघालय में बीजेपी, कांग्रेस, तृणामूल कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियों के साथ-साथ क्षेत्रीय दलों को वर्चस्व है। क्षेत्रीय दलों में नेशनल पीपुल्स पार्टी, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट, हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, गारो नेशनल काउंसिल, खुन हैन्नीवट्रेप राष्ट्रीय जागृति आंदोलन, नार्थ ईस्ट सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, मेघालय डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख हैं।

महिलाओं की भागीदारी कम

मेघालय एक महिला प्रधान समाज है। पूर्वोत्तर भारत के इस राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल तैयारियां कर रहे हैं। मेघालय की 60 में से 36 ऐसी विधानसभा की सीटें हैं जहां महिलाओं की जनसंख्या पुरुषों से अधिक है। भले ही यहां समाज महिला प्रधान है लेकिन राजनीति में महिलाओं की मौजूदगी ना के बराबर ही है। असम और मेघालय के बीच 884.9 किमी लंबी अंतर्राज्यीय सीमा पर 12 स्थानों पर विवाद हैं। दोनों राज्यों ने पहले 12 विवादित क्षेत्रों में से छह को हल करने के लिए पिछले साल मार्च में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जबकि शेष छह विवादित क्षेत्रों को हल करने के लिए चर्चा चल रही है। इस बीच असम से लगी विवादित सीमा से सटे इलाकों में रहने वाले मतदाताओं को मेघालय में आगामी विधानसभा चुनाव में वोट डालने की अनुमति दी जाएगी। वहीं मेघालय में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल पीपुल्स पार्टी ने 58 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। शिलांग में आयोजित एक चुनावी बैठक में कोनराड संगमा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में विभिन्न राजनीतिक नेता एनपीपी में शामिल हुए हैं, जो पार्टी की बढ़ती ताकत को प्रदर्शित करता है।

कमजोर कांग्रेस को इस बार संजीवनी की आस

2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, हालांकि वो बहुमत से दूर थी। बीजेपी को महज 2 सीटें मिली थी बावजूद इसके उसने नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के साथ गठबंधन करके यहां अपनी सरकार बना ली थी। इस बार कांग्रेस का यहां जनाधार नहीं दिख रहा है। कांग्रेस के विधायक तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। यानी यहां इस बार तृणमूल कांग्रेस का यहां असर देखने को मिल सकता है। एक समय कांग्रेस ने लगभग सभी पूर्वोत्तर राज्यों पर शासन किया था, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी अब मेघालय में कमजोर नजर आ रही है। पूर्वोत्तर के पांच राज्यों के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा (असम), माणिक साहा (त्रिपुरा), एन बीरेन सिंह (मणिपुर), पेमा खांडू (अरुणाचल प्रदेश), नेफियू रियो (नागालैंड) कांग्रेस के पूर्व नेता हैं और अब बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकारें चला रहे हैं। हालांकि 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद मेघालय में कांग्रेस प्रमुख विपक्षी पार्टी थी, लेकिन इसके अधिकांश विधायक तृणमूल कांग्रेस और सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) सहित अन्य दलों में शामिल हो गए हैं।

मेघालय में कांग्रेस के पांच में से तीन विधायक हाल ही में एनपीपी में शामिल हुए हैं। मेघालय विधानसभा रिकॉर्ड के मुताबिक 60 सदस्यीय मेघालय विधानसभा में अब कांग्रेस के दो विधायक हैं। इन दोनों विधायकों के भी जल्द ही अन्य पार्टियों में शामिल होने की संभावना है। कांग्रेस ने पहले सभी शेष पांच पार्टी विधायकों को एनपीपी नेतृत्व, विशेष रूप से मुख्यमंत्री और एनपीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कोनराड के संगमा के साथ मेलजोल के लिए निलंबित कर दिया था। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वो मेघालय में विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं मेघालय में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल पीपुल्स पार्टी ने 58 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। शिलांग में आयोजित एक चुनावी बैठक में कोनराड संगमा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में विभिन्न राजनीतिक नेता एनपीपी में शामिल हुए हैं, जो पार्टी की बढ़ती ताकत को प्रदर्शित करता है।

त्रिपुरा में भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकता है गठबंधन

चुनाव की घोषणा के बाद त्रिपुरा में भी बिसात बीछना शुरू हो जाएगी। हालांकि वहां पर कांग्रेस व माकपा एक साथ चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है। उन दोनो के साथ आने भाजपा खेमें बेचैनी बढ़ गई है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने दावा किया है कि राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले लोग मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस की नजदीकी पसंद नहीं कर रहे हैं और उन्होंने दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इन दोनों पार्टियों पर बढ़त हासिल करेगी। साहा का यह बयान माकपा और कांग्रेस सहित छह विपक्षी दलों द्वारा एक संयुक्त बयान जारी करने के बाद आया है, जिसमें पूर्वोत्तर राज्य के ''शांतिप्रिय'' लोगों से लोकतंत्र की बहाली, कानून के शासन की फिर से स्थापना तथा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के पक्ष में आवाज उठाने को कहा गया है। भाजपा-आईपीएफटी (इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा) गठबंधन ने 2018 के विधानसभा चुनावों में 60 सदस्यीय सदन में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर राज्य में 25 साल के वाम शासन को समाप्त कर दिया था। साहा ने को कहा, ''यह एक अवसरवादी मेल है। पहले दोनों पार्टियों (माकपा और कांग्रेस) के बीच गुपचुप संबंध था और अब यह सामने आ गया है। लोग इसे सकारात्मक रूप से नहीं ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि माकपा और कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल से कोई सबक नहीं लिया है जहां उन्होंने मिलकर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा था लेकिन कुछ खास नहीं कर पाए थे। वाम दलों माकपा, फॉरवर्ड ब्लॉक, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) और भाकपा (माले) तथा कांग्रेस के नेताओं ने एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किया है।

टीएमसी भी बढ़ाएगी मुश्किलें

वहीं माकपा के प्रदेश मंत्रसचिव जितेंद्र चौधरी ने दावा किया था कि टिपरा मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर माणिक्य ने संयुक्त बयान में व्यक्त किए गए विचारों का व्यापक रूप से समर्थन किया है, लेकिन वह इस पर हस्ताक्षर नहीं कर सके क्योंकि वह अभी राज्य से बाहर हैं। वहीं साहा ने कहा, ''चुनाव में लोग अवसरवादी विचार को खारिज कर देंगे।'' अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव अजय कुमार भी पहुंचे गए है उन्होंने दावा किया कि लोग भाजपा से तंग आ चुके हैं, और उसे उखाड़ फेंकेंगे। चुनाव की घोषणा भजे ही आज हुई पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक जनवरी से राज्य भर में रथ यात्रा का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा की तैयारियों के लिए सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुशांत चौधरी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। यात्रा उत्तरी त्रिपुरा जिले से जबकि दूसरी दक्षिण त्रिपुरा जिले से निकलेगी। यात्रा का उद्देश्य चुनाव से पहले लोगों का आशीर्वाद लेना है। वहां पर अमित शाह पहले ही अपनी सभाओं द्वारा लोगों को साधने में जुट गए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई कार्यक्रम वहां हो चुके है। पूर्व सीएम विप्लवदेव के घर हुए हमले को भी भाजपा चुनाव में मुद्दा बनाकर माकपा, टीएमसी व कांग्रेस को घेरेगी। ममता बनर्जी की टीएमसी वहां पर अपना जनाधार बढ़ाने में जुट गई है। त्रिपुरा में 1967 से विधानसभा चुनाव हो रहा है। पिछले पांच दशक के राजनीतिक इतिहास में यहां कांग्रेस और सीपीएम हमेशा से एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे। कभी कांग्रेस तो कभी सीपीएम की सत्ता यहां रही। 2018 में भारतीय जनता पार्टी ने यहां दोनों ही पार्टियों को बड़ा झटका दिया। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सत्ता हासिल कर ली। बिप्लब कुमार देब मुख्यमंत्री बने। अब चुनाव से एन पहले कांग्रेस और सीपीएम साथ आ गए हैं। राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि त्रिपुरा लेफ्ट और कांग्रेस का गढ़ रहा है।

नागालैंड में दिलचस्प होगा मुकाबला

नागालैंड में मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की अगुवाई में बीजेपी के साथ गठबंधन की सरकार चल रही है। इस बार भी राज्य में राजनीतिक अटकलों पर विराम लगाते हुए सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ने 2023 में मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान किया। एनडीपीपी 40 और बीजेपी 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यहां कांग्रेस के लिए मुश्किल ज्यादा है क्योंकि एनडीपीपी और बीजेपी दोनों ही एक दूसरे का पूरा साथ देते हुए नजर आ रही हैं, हालांकि, बीजेपी को डर है कि एनडीपीपी मुकर न जाए। नागालैंड में इस साल एक ऐसी घटना हुई, जिससे मौजूदा मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की ताकत और बढ़ गई। वहां की मुख्य विपक्षी पार्टी एनपीएफ के 21 विधायक अप्रैल 2022 में नेफ्यू रियो की नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) में शामिल हो गए, इसमें नेता प्रतिपक्ष टी आर जेलियांग भी शामिल थे। इससे एनडीपीपी विधायकों की संख्या बढ़कर 41 हो गई और मुख्य विपक्षी दल एनपीएफ के पास सिर्फ एक ही विधायक बच गया। एनपीएफ ने पहले ही कह दिया है कि वो इस बार अकेले चुनाव लड़ेगी। हालांकि उसके लिए अब यहां की राजनीति में फिर से जड़े जमाना बेहद मुश्किल लग रहा है. नेफ्यू रियो को बीजेपी का साथ भी मिलता रहेगा। इससे नेफ्यू रियो के पास 5वीं बार मुख्यमंत्री बनने का मौका है। एनडीपीपी-बीजेपी गठबंधन का मकसद सत्ता में बने रहना है। वहीं कांग्रेस अपनी खोई जमीन को वापस पाने की कोशिश करेगी।

आरआरपी से बड़े दलों को हो सकता है बड़ा नुकसान

इस बार नागालैंड के चुनावी बिसात में एक नए दल राइजिंग पीपुल्स पार्टी (आरआरपी) की इंट्री हो रही है। ये दल 2021 में अस्तित्व में आया है। नागालैंड में उग्रवादी और चरमपंथी समूहों की ओर से लोगों से की जाने वाली जबरन उगाही का विरोध करने के मकसद से आरआरपी का उदय हुआ था। इनमें नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ़ नागालैंड (एनएससीएन) जैसे चरमपंथी समूह भी शामिल हैं। आरआरपी संस्थापक और अध्यक्ष जोएल नागा ने नागा समस्या का हल हुए बिना चुनाव नहीं कराने की मांग की है। ये चाहते हैं कि राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस के लिए मुश्किल है राह

एक समय था जब नागालैंड की राजनीति में कांग्रेस की तूती बोलती थी। हालांकि कांग्रेस के लिए इस बार यहां के चुनाव में कोई मौका नहीं दिख रहा है। कांग्रेस के पास एक भी विधायक नहीं है। पिछले पांच साल में उसके कई नेता सत्ताधारी पार्टी का दामन पकड़ चुके हैं। कांग्रेस के पास जमीनी स्तर पर बड़े जनाधार वाला अब कोई भी नेता नहीं बचा है। इसके बावजूद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के थेरी का मानना है कि नागालैंड के लोग नेफ्यू रियो से ऊब चुके हैं और नागा समस्या के समाधान के लिए लोग कांग्रेस पर ही भरोसा जताएंगे। कांग्रेस ने कुछ दिन पहले ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के थेरी की अगुवाई में पीएसी गठित की है. इसमें पुराने दिग्गज नेता और 5 बार नागालैंड के मुख्यमंत्री रह चुके एस सी जमीर को भी शामिल किया है।

राज्य में टीएमसी भी तलाश रही है मौका

ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी की नजर भी नागालैंड में अपनी पैठ बढ़ाने पर है। इस बार वो भी चुनाव लड़ेगी। ममता बनर्जी का मानना है कि नागालैंड में उनकी पार्टी एनपीएफ और कांग्रेस के विकल्प के तौर पर अपनी जड़े मजबूत कर सकती है। अलग राज्य की मांग कर रहे नागा समूहों के बीच भी टीएमसी अपना दायरा बढ़ा रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

साल की पहली परीक्षा का शंखनाद

नागालैंड में भाजपा अपनी राजनीतिक हैसियत बढ़ाने में लगी है। पिछले चुनाव में भाजपा ने यहां 15.3 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 60 में से विधानसभा की 12 सीटें जीती थीं। हालांकि, त्रिपुरा में भाजपा की स्थिति मेघायल और नागालैंड से काफी बेहतर है। यहां दो लोकसभा सीटें हैं और दोनों ही भाजपा के पास है। वहीं विधानसभा में वह 60 में से 36 विधायकों के साथ पिछले चुनाव में सबसे बड़ा दल बनीं थी और अकेले दम पर सरकार बनाई थी।

देश के पूर्वोत्तर भाग नागालैंड, त्रिपुरा और मेघलाय में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। यानि सियासी दलों की साल की पहली परीक्षा का समय प्रारंभ हो गया है। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को अपनी घोषणा में तीनों राज्यों की चुनावी तारीखों का एलान कर बता दिया कि त्रिपुरा में 16 फरवरी, मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी को मतदान होगा। तीनों राज्यों के चुनावी नतीजे एक साथ 2 मार्च को आयेगे। उधर चुनाव की तिथि घोषित होते ही सियासी दलों ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है और चुनावी रणनीति को अमली जामा पहनाने का वक्त आ गया। अगर मेघलाय की राजनीतिक पर बात करें तो साल 2018 में जब मेघलाय में विधानसभा चुनाव हुए थे तब वहां कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, मगर वह सरकार नहीं बना सकी थी। कुल 60 सीटों वाले मेघालय में कांग्रेस ने 21 सीटें हासिल की थीं और क्षेत्रीय पार्टी एनपीपी के खाते में 19 आईं थीं। भाजपा सिर्फ 2 सीट पर यहां सिमट गयी थी। हालांकि यह बात अलग है कि भाजपा मेघालय में एनपीपी के साथ मिलकर सरकार में शामिल रही, मगर इसके बाद भी मेघालय में भाजपा की हालत अच्छी नहीं कही जा सकती है। वहीं, मेघलाय में भी कांग्रेस संकट से जूझ रही है और उसके सामने अबकी बार भी मुश्किलें कम नहीं हैं। अगर सरकार बनाना है तो यहां कांग्रेस को पहली से बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दरअसल, इस राज्य में कांग्रेस के कुछ विधायक पिछले साल ही ममता बनर्जी के दल तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। जिससे सियासी पंडित संभावना जता रहे हैं कि इस बार तृणमूल कांग्रेस मेघालय में खेला कर सकती है। फिलहाल नागालैंड में भाजपा की गठबंधन की सरकार है। भाजपा नागालैंड में अपना वर्चस्व बनाये रखने के लिए क्षेत्रीय दल एनडीपीपी के साथ ही मैदान में फिर से उतरेगी, क्योंकि भाजपा को पता है कि वो अकेले दम पर ये मुकाबला नहीं जीत सकती है। त्रिपुरा की बात करे तो पहले से ही भाजपा के बड़े चेहरे इस राज्य पर नजर बनाये हुए थे। इस साल की शुरूआत में ही भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने त्रिपुरा की रैली में राम मंदिर का जिक्र कर पार्टी की आगामी चुनाव के लिए मंशा को साफ जाहिर कर दिया था। शाह के बयान ने बता दिया था कि राम मंदिर को चुनावी हथियार के तौर पर त्रिपुरा ही नहीं देश में भाजपा इस्तेमाल करेगी। जिससे साफ हो गया कि धर्म की आड़ भाजपा का चुनाव में सबसे बड़ा सहारा है और उसके सहारे से वह देश-प्रदेश की सत्ता पर काबिज है। चुनाव कोई भी लेकिन उससे पहले भाजपा को धार्मिक कार्ड कैसे खेलना ये उसके नेताओं को अच्छे से पता है। हालांकि देश में लगातार बढ़ी रही मंहगाई, बेरोजगारी, महिला अपराध तमाम ऐसे मुद्दे है जिस पर भाजपा सरकार जवाब तो दूर बात करने तक से बचती रही है। अब तीन राज्यों के चुनाव में देखने वाली बात यह होगी की नए साल की पहली परीक्षा में जनता इन तमाम मुद्दों को तरजीह देती है। या पूर्व की भांति ही जनादेश रहता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ते विदेश पलायन से उपजी आर्थिक चुनौती

देविंदर शर्मा

गजब का विरोधाभास है, एक ओर भारत का लक्ष्य वर्ष 2027-28 तक 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनने का है तो वहीं सवाल यह है कि फिर युवा, यहां तक अति-अमीर भी, बड़ी संख्या में देश से पलायन करने की कोशिश में क्यों लगे हैं? इससे ज्यादा अहम यह कि क्या वे इस संभावना को लेकर उत्साहित नहीं हैं कि जब कहा जा रहा है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर विश्व की मुख्य अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक रहेगी और जल्द ही जापान और जर्मनी को पछाड़कर भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी बन जाएगी। वह भी 2030 से पहले, जैसा कि वैश्विक बैंकिंग मूल्यांकन एजेंसी मॉर्गन स्टेन्ली द्वारा प्रस्तुत भविष्यवाणी दर्शा रही है। पिछले अनेक सालों से नीति-नियंताओं ने ऐसी नीतियां चलाईं जिससे गांवों से शहरों की ओर पलायन को बढ़ावा मिलता गया लेकिन इस पुरानी लीक की बजाय अब युवाओं ने प्रवास की नई राह पकड़ ली, गांव से सीधा विदेशी मुल्क।

भारत से न केवल युवा बल्कि अति-धनाढ्य भी बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकता त्यागकर विदेशों में बसने के मौके तलाश रहे हैं। यह अति-धनी वह हैं, जिनके पास निवेश के लिए 10 लाख डॉलर से ज्यादा की तो केवल नगदी ही है। संसद को बताया गया है कि 2011 के बाद से 16 लाख से ज्यादा अमीरों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है, इनमें पिछले साल की 1,83,741 की संख्या शामिल है। टीएमसी सांसद महुआ मित्रा ने हाल ही में संसद में कहा था कि वर्ष 2014-22 के बीच नौ सालों में 12.5-15 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। मुझे तो लगता था कि अमीर लोग बाहर जाने की बजाय कुछ और इंतजार करना चुनते कि शायद अगले सालों में अर्थव्यवस्था और व्यापार के हालात में सुधार हो जाए, जिसका दावा सरकार कर रही है। लेकिन जब विकसित मुल्कों ने अति-धनाढ्यों के लिए निवेशक-श्रेणी के तहत अपनी सीधी नागरिकता देने की राह खोली तो भारत से धीरे-धीरे और ज्यादा गिनती में अमीर लोग बेहतर रहन-रहन और काम-धंधे के माहौल की खातिर विदेश जाकर बसने लगे। इस वर्ग के परिवारों के बाहर जा बसने से हमारी घरेलू अर्थव्यवस्था को पड़ा घाटा विदेशी मुल्कों के लिए फायदेमंद बन गया।

बहरहाल, बात फिर से विदेशों की ओर पलायन करते युवाओं की चिंताजनक रूप से बढ़ती गिनती की करें, वह भी उच्च शिक्षा पाने के लिए, तो यह साफ दर्शाता है कि देश में शिक्षा का स्तर किस कदर शोचनीय है, तिस

पर रोजगार के मौके भी यथेष्ट नहीं हैं, ऐसे में युवा विदेशों में अपना बेहतर भविष्य ताक रहे हैं। उच्च शिक्षा के लिए अपने बच्चों को विदेश भेजने वालों में अधिकांश वह हैं जिन्होंने इसकी खातिर अपने खेत बेचे या जायदाद गिरवी रखी या कर्ज उठाए हैं। विदेश में पढ़ाई करवाने का औसतन खर्च 25-30 लाख आता है अर्थात घरेलू अर्थव्यवस्था से निकलकर इतना बड़ा धन विदेशी मुल्कों को मिल रहा है। डब्ल्यूटीओ के प्रावधानों के तहत विदेशों में शिक्षा प्राप्ति को मॉड-2 सेवा श्रेणी में बतौर उपभोक्ता व्यापार में रखा गया है (फिर भी दुनियाभर के देशों ने इसके लिए मुक्त आवागमन नहीं खोला)। इस प्रावधान ने युवा छात्रों को विदेशी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने की राह खोली, जिससे मेजबान मुल्क की अर्थव्यवस्था में इजाफा होता है। पिछले कई सालों से पंजाब, केरल और अब हरियाणा से भी, कुशल श्रमिकों का प्रवाह विदेशों को लगातार होता आया है। जहां पहले इन दोनों सूबों से जाने वाले मुख्यतय: काम-धंधा करने जाया करते थे वहीं अब ध्यान का केंद्र शिक्षा है। अकेले पंजाब से, तकरीबन 1.5 लाख विद्यार्थी हर साल विदेश जा रहे हैं, केरल से यह संख्या लगभग 35000 है। अब तो हरियाणा में भी पढ़ाई के लिए विदेश जाने का चाव बढ़ने लगा है, वहां भी 'आइल्ट्स' करवाने और वीसा दिलवाने की 'दुकानें' दिखना आम दृश्य है। हमारी शिक्षा प्रणाली में व्याप्त कमियां और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की विफलता किस तरह समग्र विकास पाने में बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देती है, इस पर एक समाचारपत्र के 4 जनवरी, 2023 अंक में रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का रोचक लेख छपा है। इसमें उन्होंने राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वे का हवाला देकर कहा है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच, पांच सालों में, एक किसान के स्वामित्व वाले रकबे में औसतन 22 प्रतिशत की कमी हुई है।

छोटे किसान की जोत भूमि भी 8.5 फीसदी सालाना घटी है। जब तक ध्यान का केंद्र पुन: शिक्षा स्तर सुधारने, सुलभ बनाने, वहन योग्य और गुणवत्तापूर्ण करने और व्याप्त बेरोजगारी संकट का निदान करने की ओर न होगा तब तक युवाओं को स्वदेश में बने रहकर अर्थव्यवस्था में भागीदारी बनने के लिए रोके रखने को प्रेरित करना संभव नहीं। यह एक चुनौती है और पूरी तरह से सरकार के संसाधनों के भीतर भी, बशर्ते कि वास्तव में सारा जोर 'सबका साथ... सबका विकास' नारे को फलीभूत करने पर लगाया जाए।

हिमाचल में भी हैं जोशीमठ जैसी मुश्किलें

पंकज चतुर्वेदी

अब जब जोशीमठ संकटग्रस्त है तो एक साथ कई सरकारी और निजी संस्थाएं सक्रिय हैं, आज केवल विस्थापन ही एकमात्र हल दिख रहा है। यह कोई एक दिन में तो हुआ नहीं, बहुत-सी सरकारी रिपोर्ट्स बेनाम पड़ी रहीं जो बीते एक दशक से इस खतरे की तरफ आगाह कर रही थीं। आज यह समझना जरूरी है कि आज नहीं तो कल समूचे हिमालय पर्वतमाला में इस तरह की त्रासदी आना अवश्यंभावी है। भारत में हिमालयी क्षेत्र का फैलाव 13 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में है, जो लगभग 2500 किलोमीटर है। हिमालय पर्वतमाला की गोदी में कोई पांच करोड़ लोग सदियों से रह रहे हैं। चूंकि यह क्षेत्र अधिकांश भारत के लिए पानी उपलब्ध करवाने वाली नदियों का उद्गम है, साथ ही यहां के ग्लेशियर धरती के गर्म होने को नियंत्रित करते हैं, सो जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से यह सबसे अधिक संवेदनशील है।

कुछ साल पहले नीति आयोग ने पहाड़ों में पर्यावरण के अनुकूल और प्रभावी लागत पर्यटन के विकास के अध्ययन की योजना बनाई थी। यह काम इंडियन हिमालयन सेंट्रल यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम द्वारा किया जाना था । इस अध्ययन के पांच प्रमुख बिन्दुओं में पहाड़ से पलायन को रोकने के लिए आजीविका के अवसर, जल संरक्षण और संचयन रणनीतियों को भी शामिल किया गया था। जून, 2022 में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा जारी रिपोर्ट 'एनवायर्नमेंटल एसेसमेन्ट ऑफ टूरिज्म इन द इंडियन हिमालयन रीजन' में कड़े शब्दों मे कहा गया था कि हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यटन के चलते हिल स्टेशनों पर दबाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही पर्यटन के लिए जिस तरह से इस क्षेत्र में भूमि उपयोग में बदलाव आ रहा है वो अपने आप में एक बड़ी समस्या है। जंगलों का बढ़ता विनाश भी इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर व्यापक असर डाल रहा है। यह रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजी गई थी।

इस रिपोर्ट में लद्दाख में संरक्षित क्षेत्रों जैसे हेमिस नेशनल पार्क, चांगथांग कोल्ड डेजर्ट सेंक्चुअरी और काराकोरम सेंक्चुअरी पर संकट जताया गया था। साथ ही पर्यटकों के वाहनों और इसके लिए बन रही सड़कों के कारण वन्यजीवों के आवास नष्ट होने और जैवविविधता पर विपरीत असर की बात भी कही गई थी। मनाली में किए एक अध्ययन से पता चला है कि 1989 में वहां जो 4.7 फीसदी निर्मित क्षेत्र था वो 2012 में बढ़कर 15.7 फीसदी हो गया है। आज यह आंकड़ा 25 फीसदी पार है। इसी तरह 1980 से 2023 के बीच वहां पर्यटकों की संख्या में 5600 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसका सीधा असर इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर पड़ रहा है। इतने लोगों के लिए होटलों की संख्या भी बढ़ी तो पानी की मांग और गंदे पानी के निस्तार का वजन भी बढ़ा, आज मनाली भी धंसने के कगार पर है- कारण वही जोशीमठ वाला, धरती पर अत्यधिक दबाव और पानी के कारण भूगर्भ में कटाव। इस रिपोर्ट में कश्मीर क्षेत्र में भी पर्यटकों की आवाजाही, वायु गुणवत्ता और ठोस कचरे के प्रबंधन पर चिंता जताते हुये अमरनाथ और माता वैष्णो देवी की यात्रा करने वालों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर कूड़ा प्रबंधन पर ध्यान देने की बात कही गई थी। रिपोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जहां इस क्षेत्र में स्थानीय लोगों के स्थाई रोजगार को ध्यान में रखना जरूरी है, वहीं बेलगाम पर्यटन के चलते इस क्षेत्र में पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को होते नुकसान को भी रोका जाये।

हिमाचल प्रदेश को सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल माना जाता है और यहां इसके लिए जम कर सड़कें, होटल बनाए जा रहे हैं, साथ ही झरनों के बहाव के इस्तेमाल से बिजली बनाने की कई बड़ी परियोजनाएं भी यहां अब संकट का कारक बन रही हैं। यहां भूस्खलन की दृष्टि से किन्नौर जिला को सबसे खतरनाक माना जाता है। बीते साल भी किन्नौर के बटसेरी और न्यूगलसरी में दो हादसों में ही 38 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद किन्नौर जिला में भूस्खलन को लेकर भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञों के साथ-साथ आईआईटी, मंडी व रुड़की के विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। इस साल बरसात में इस छोटे से राज्य में 131 करोड़ की सरकारी व गैर सरकारी संपत्ति तबाह हुई जिसमें सबसे ज्यादा सड़क और पुलिया थीं । राज्य का गौरव कहे जाने वाली शिमला की खिलौना रेल भी 4 अगस्त, 2022 को बाल-बाल बची थी। सोलन जिले के कुमारहट्टी के पास पट्टा मोड़ में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में कालका-शिमला यूनेस्को विश्व धरोहर ट्रैक कुछ घंटों के लिए अवरुद्ध हो गया।

हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव के चलते बादलों के फटने, अत्यधिक बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। एक बात और समझनी होगी कि 'वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है। चाहे उत्तराखंड हो या पूर्वोत्तर राज्य, यह समझना होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन से बचने के लिए बांधों और सुरंगों के निर्माण का रोकना होगा।

तुलसी है सिरदर्द का रामबाण इलाज

अपने औषधीय गुणों के लिए मशहूर तुलसी भी कई समस्याओं में काफी लाभदायक है। धार्मिक दृष्टि से बेहद पवित्र माना जाने वाला यह पौधा आपको कई समस्याओं से भी निजात दिला सकता है। ऐसे में अगर आप सर्द हवाओं की वजह से होने वाले सिरदर्द से परेशान हैं, तो तुलसी की चाय पीने से आपको काफी आराम मिलेगा। इसके लिए एक कप पानी में तुलसी के तीन-चार पत्ते कुछ मिनट के लिए उबाल लें। अब इस उबले पानी में शहद मिलाकर चाय की तरह पीएं, इससे आपको सिरदर्द से छुटकारा मिलेगा। एक कटोरे में पानी और तुलसी की पत्तियां या तुलसी के तेल की कुछ बूंदें डालकर उसकी भाप लें।

लौंग से सिरदर्द में मिलती है राहत

यदि तनाव के कारण सिरदर्द हो रहा है तो लौंग का इस्तेमाल आपको सिरदर्द की समस्या से छुटकारा दिला सकता है। इसमें ठंडक और दर्द से राहत देने वाले गुण होते हैं। लौंग को क्रश करके किसी रुमाल या पैकेट में डाल दें, जब भी सिरदर्द हो तो उसे सूंघ लें, सिरदर्द में आराम मिलेगा। लौंग के तेल की 1-2 बूंद एसेंशियल ऑयल में मिलाकर माथे की मसाज करने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है। दो चम्मच नारियल तेल, एक चम्मच सफेद नमक और दो बूंद लौंग का तेल मिला लें और इससे माथे पर हल्की मसाज करने से सिरदर्द में आराम मिलता है।

सर्दियों में सिरदर्द से निजात दिलाएंगे

घरेलू नुस्खे

सर्दियों की वजह से लगातार हमारी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। सर्दी-जुकाम के साथ ही सर्द हवाओं की वजह से इस मौसम में अक्सर सिरदर्द की समस्या भी होने लगती है। ऐसे में इन घरेलू उपायों से इससे आराम पा सकते हैं। ठंड के मौसम में सेहत से जुड़ी कई समस्याएं होने लगती हैं। दरअसल, सर्दी-जुकाम के साथ ही ठंड में सर्द हवाओं की वजह से कई बार सिरदर्द की समस्या होने लगती है। इसकी वजह से आपका काम करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अगर पेन किलर लेने के बाद भी आपको इस समस्या से राहत नहीं मिल पा रही है, तो इन घरेलू उपायों की मदद ले सकते हैं। जैसे तुलसी, लौंग, अदरक, चंदन, नींबू, हल्दी, दालचीनी और सिर में तेल मालिश के अलावा अच्छी नींद लेने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है।

अच्छी नींद लेने से मिलती है राहत

कई बार सिरदर्द का कारण थकान भी होता है। अगर आपको थकान के कारण सिरदर्द हो रहा है तो आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प यही है कि आप कुछ देर आराम से सो जाएं। सोने से दिमाग को शांति मिलती है और सिरदर्द से छुटकारा भी मिल जाता है। दाल चीनी को आप सिर दर्द के लिए उपयोग में ला सकते हैं। दरअसल, अगर आप सिरदर्द की समस्या से परेशान हैं, तो इसका पेस्ट बनाकर इसे माथे पर लगाने से काफी राहत मिलती है।

अदरक और हल्दी का करें सेवन

सिर की रक्त वाहिकाओं में सूजन के कारण भी सिरदर्द होता है। इसके लिए अदरक और नींबू के जूस को बराबर मात्रा में मिलाकर दिन में 1-2 बार पीने से राहत मिलेगी। एक चम्मच अदरक पाउडर में दो चम्मच पानी मिलाकर माथे पर लगाने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है। कच्चे अदरक को पानी में उबालकर उसका भाप लेने से भी सिरदर्द में आराम मिलता है। एक ग्लास दूध में एक छोटा चम्मच हल्दी मिलाकर इसे कुछ देर के लिए उबालें। अब इस दूध को धीरे-धीरे पीने से सिरदर्द से राहत मिलेगी।

सिर पर करें तेल से मालिश

हर बार सिरदर्द के लिए गोली खाना सही नहीं है। सिर पर तेल की मालिश करके भी सिरदर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। तेल की मालिश से सिर की माशपेशियों को आराम मिलता है और हल्का महसूस होता है। जब सिरदर्द सताए तो किसी ऐसे व्यक्ति की मदद लें, जो आपके सिर की मालिश करके आपको सिरदर्द से छुटकारा दिला सके। इसके लिए आप बादाम का तेल, जैतून या नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। यही नहीं सरसों के तेल में कुछ बूंद पानी मिलाकर मालिश करने से भी सिरदर्द में राहत मिलती है।

हंसना मना है

हम तो ऐसे ही उदासी में बैठे-बैठे, पानी में पत्थर मार रहे थे, अचानक से एक मेंढ़क निकला और बोला, पानी में तो आ, तेरी उदासी उतारू साले। तेरी वाली के चक्कर में तूने, मेरी वाली का सर फोड़ दिया।

सांता: डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर: 50 हजार सांता: अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर: साले, पिघला कर चिपका भी लेना।

शिक्षक: तुमने आज भी होमवर्क नहीं किया। बोलो तुम्हे क्या सजा दूं? पप्पू: सर वो लास्ट बेंच वाली लड़की ने भी, होमवर्क नहीं किया। हम दोनों को बाथरूम में बंद कर दो।

एक सफल आदमी वो है जो अपनी बीवी के खर्च से ज्यादा कमा सके। एक सफल औरत वो होती है जो ऐसा आदमी खोज सके।

पापा: दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा: पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यही मिलेगी!

शादी करनी हो तो, अपनी गर्लफ्रेंड से करो। दूसरों की गर्लफ्रेंड से तो, घरवाले भी करवा देते है।

कहानी — चतुर मुर्गा

एक घने जंगल में एक पेड़ पर मुर्गा रहा करता था। वह रोज सुबह सूरज निकलने से पहले उठ जाता था। उठने के बाद वह जंगल में दाना-पानी चुगने के लिए चला जाता था और शाम होने से पहले वापस लौट आता था। उसी जंगल में एक चालाक लोमड़ी भी रहती थी। वह रोज मुर्गे को देखती और सोचती, कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। अगर यह मेरे हाथ लग जाए, तो कितना स्वादिष्ट भोजन बन सकता है, लेकिन मुर्गा कभी भी उस लोमड़ी के हाथ नहीं आता था। एक दिन मुर्गे को पकड़ने के लिए लोमड़ी ने एक तरकीब निकाली। वह उस पेड़ के पास गई, जहां मुर्गा रहता था और कहने लगी, अरे ओ मुर्गे भाई! क्या तुम्हें खुशखबरी मिली? जंगल के राजा और हमारे बड़ों ने मिलकर सारे लड़ाई-झगड़े खत्म करने का फैसला किया है। आज से कोई जानवर किसी दूसरे जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इसी बात पर आओ, नीचे आओ। हम गले लगकर एक दूसरे को बधाई दें। लोमड़ी की यह बात सुनकर मुर्गे ने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और कहा, अरे वाह लोमड़ी बहन, ये तो बहुत अच्छी खबर है। पीछे देखो, शायद इसलिए हमसे मिलने हमारे कुछ और दोस्त भी आ रहे हैं। लोमड़ी ने हैरान हो कर पूछा, दोस्त? कौन दोस्त? मुर्गे ने कहा, अरे वो शिकारी कुत्ते, वो भी अब हमारे दोस्त हैं न? कुत्तों का नाम सुनते ही, लोमड़ी ने न आव देखा न ताव और उनके आने की उल्टी दिशा में दौड़ पड़ी। मुर्गे ने हंसते हुए लोमड़ी से कहा, अरे-अरे लोमड़ी बहन, कहां भाग रही हो? अब तो हम सब दोस्त हैं न? हां-हां दोस्त तो हैं, लेकिन शायद शिकारी कुत्तों को अभी तक यह खबर नहीं मिली है, यह कहते हुए लोमड़ी वहां से भाग निकली और मुर्गे की सूझबूझ की वजह से उसकी जान बच गई।

कहानी से सीख: बच्चों, चतुर मुर्गा और चालक लोमड़ी की कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी बात पर आसानी से विश्वास नहीं करना चाहिए और चालाक लोगों से हमेशा सावधान रहना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कुछ नए मौकों के साथ अच्छी खबर भी मिल सकती है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएं। ऐसी जानकारियों को उजागर न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हों।

वृषभ

आज का दिन आपका उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रहेगा, लेकिन काम के सिलसिले में अच्छे नतीजे मिलेंगे। परिवार का वातावरण बेहद खुशनुमा रहेगा।

मिथुन

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। थोड़ी-सी मेहनत से ही आपको बड़ा मुनाफा मिल सकता है। आप जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं।

कर्क

आज के दिन बेरोजगार लोग कोशिश करेंगे और अपनी कड़ी मेहनत का पूरा परिणाम प्राप्त करेंगे। आज आप अपने कार्य स्थल पर सावधानी बरतें।

सिंह

आज आप प्रयासों को गति देंगे। लाभ बढ़ेगा और इनकम में बढ़ोतरी होगी। कोई नया आइडिया आप को आगे बढ़ाने में सहायक साबित होगा।

कन्या

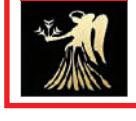

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार वालों के साथ धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जायेंगे। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

तुला

आज सभी कार्यों में आपके लिये प्रवेश द्वार खुले नजर आएंगे। नए कामकाज की योजना भी बना सकते हैं। नया वाहन नए घर का सुख संयोग में है।

वृश्चिक

आपको खर्चों पर नियंत्रण पाने के लिए अपना बजट प्लान करने की जरूरत है। आपके खर्चे काफी बढ़े हुए जिन्हें नियंत्रण में रखना आपकी जिम्मेदारी है।

धनु

आज आपका दिन शानदार रहेगा। कोई दोस्त आपसे घर पर मिलने आ सकता है। साथ में कोई मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आपके अधूरे काम पूरे हो जायेंगे।

मकर

आज का दिन आत्मविश्वास में बढ़ोतरी के संकेत दे रहा है। कोई करीबी दोस्त फरेब कर सकता है। आपका सामना कठिनाईयों से हो सकता है।

कुम्भ

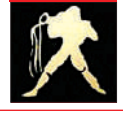

आपको आज भाग्य का साथ मिलेगा। थोड़ा संघर्ष आपने किया है, उसका फल भी आपको आज मिल सकता है। किसी सुखद यात्रा पर जाने के योग बनेंगे।

मीन

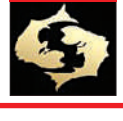

आज आपको तरक्की के कुछ नये साधन मिल सकते हैं। कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात दिन को और बेहतर बना सकती है। आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा।

कोटेशन गैंग खूंखार अवतार में नजर आए जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ एक बार फिर दर्शकों को लुभाने के लिए गैंगस्टर अवतार में फिल्मों में लौट रहे हैं। इस फिल्म में जैकी के साथ सनी लियोनी भी नजर आएंगी। हाल ही में, क्राइम ड्रामा फिल्म कोटेशन गैंग का ट्रेलर सामने आ चुका है। ट्रेलर में जैकी श्रॉफ खूंखार अवतार में दिखाई दे रहे हैं, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर इस फिल्म का ट्रेलर लगातार वायरल हो रहा है। जैकी काफी दिनों के बाद फिल्म कोटेशन गैंग से एक बार फिर बॉलीवुड में नजर आने जा रहे हैं। यह एक पैन इंडिया फिल्म है जो तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी सहित कई अन्य भाषाओं मे भी रिलीज होगी। पिछले दिनों मेकर्स ने प्रियामणि के फर्स्ट लुक का पोस्टर रिलीज किया था, जिसे ऑडिएंस द्वारा खूब पसंद किया गया था तो अब फैंस की बेसब्री बहुत जल्द खत्म होने वाली है क्योंकि मेकर्स द्वारा फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया और ट्रेलर भी कमाल का लग रहा है।

बता दें कि ट्रेलर सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है, जिसकी शुरुआत जैकी श्रॉफ की आवाज से होती है। जिसमें वह कहते है, एक गैंग मेंबर बनना हलवा नहीं है बिडू समझा। हालांकि, ट्रेलर देखने से कहानी का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है, लेकिन इतना जरूर है कि कहानी तस्करों की एक गैंग के इर्द गिर्द घूमती नजर आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग गजब की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में अभिनेत्री प्रियामणि ने एक खतरनाक कॉंट्रैक्ट किलर शकुंतला का किरदार निभाया है और दूसरी तरफ अभिनेता जैकी श्रॉफ ने एक दमदार गैंग लॉर्ड की भूमिका निभाई है। इस किरदार में उनका लुक दिलचस्प है। इन दोनों के अलावा सनी लियोनी का किरदार एक चालाक होममेकर का होने वाला है। अपने नये अवतार में सनी भी काफी शानदार नजर आ रही हैं। आपको बता दें कि ट्रेलर में हर किरदार एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं। कोटेशन गैंग के धमाकेदार और रॉ एनर्जी से भरपूर ट्रेलर में इंडिया के जाने माने ड्रमर शिवमणि का म्यूजिक रही सही कसर भी पूरी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये कोटेशन गैंग, केरल से ऑपरेट करने वाले एक रियल क्रिमिनल गैंग पर आधारित है, जो 500 रुपये के लिए भी लोगों की हत्या करने को तैयार हो जाते हैं। अभी तक इस फिल्म की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बॉलीवुड कार्रवाई

उर्फी की शिकायत पर एक्शन मोड में महाराष्ट्र महिला आयोग

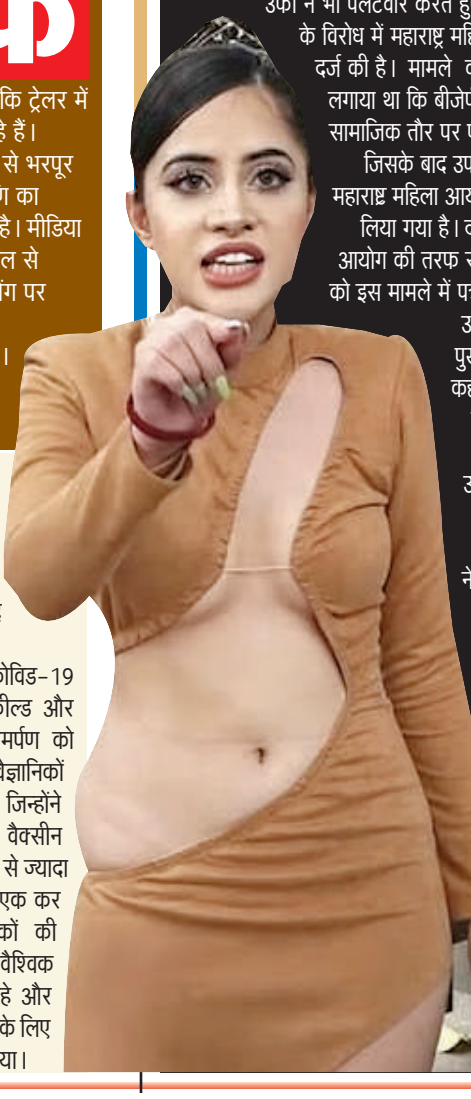

उर्फी जावेद अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी रहती है। उर्फी इन दिनों मीडिया सेंसेशन बनी हुई है। वह अपने अतरंगी फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। उर्फी ज्यादातर अजीबो गरीब कपड़ों और ड्रेसिंग को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। जिसके कारण अक्सर लोग उनके बारे में कुछ न कुछ कहते हुए दिखाई देते हैं। बीते दिनों उर्फी जावेद को बीजेपी नेता चित्रा वाघ ने उर्फी जावेद के मुंबई की सड़कों पर अंग प्रदर्शन को लेकर शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसके बाद उर्फी ने भी पलटवार करते हुए बीजेपी नेता चित्रा वाघ के विरोध में महाराष्ट्र महिला आयोग में शिकायत दर्ज की है। मामले को लेकर उर्फी ने आरोप लगाया था कि बीजेपी नेता चित्रा वाघ ने उन्हें सामाजिक तौर पर पीटने की धमकी दी थी। जिसके बाद उर्फी की इस शिकायत पर महाराष्ट्र महिला आयोग की तरफ से एक्शन लिया गया है। दरअसल महाराष्ट्र महिला आयोग की तरफ से मुंबई पुलिस कमिश्नर को इस मामले में पत्र लिखा गया है। जिसमें उर्फी जावेद की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करवाने को कहा गया है। आपको बता दें कि बीते दिनों, बीजेपी नेता चित्रा वाघ के द्वारा उर्फी को मारने पीटने की भी धमकी दी गई थी। जिसके बाद उर्फी जावेद ने महाराष्ट्र महिला आयोग का दरवाजा खटखटाया और उन्होंने उसकी अध्यक्ष रूपाली चाकणकर से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद उर्फी की शिकायत पर महिला आयोग के द्वारा एक्शन लिया गया है।

द वैक्सीन वॉर के सेट पर पल्लवी जोशी चोटिल

'द कश्मीर फाइल्स' के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री और प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल अब अपनी अगली फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' की शूटिंग में बिजी हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्ट्रेस और विवेक अग्निहोत्री की पत्नी पल्लवी जोशी फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। शूटिंग के दौरान पल्लवी घायल हो गई हैं। उन्हें एक गाड़ी से टक्कर से लग गई है। उन्हें चोटें आई हैं। घटना फिल्म के सेट पर हुई। घायल होने के बाद भी पल्लवी ने अपने शूट को पूरा किया। शूट पूरा करने के बाद वह हैदराबाद के अस्पताल में ट्रीटमेंट करवाने पहुंची।

आईएएनएस ने लोकेशन पर मौजूद सूत्रों के हवाले से बताया कि 'द वैक्सीन वॉर' के सेट पर एक गाड़ी ने अफना कंट्रोल खो दिया था और इसने पल्लवी जोशी को टक्कर लग गई थी। चोट के बावजूद उन्होंने अपना शॉट पूरा किया और फिर एक स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए गईं। अब वह ठीक हैं। पल्लवी जोशी ने एक दिन पहले द वैक्सीन वॉर के सेट अपनी दो तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह मुस्कुराते हुए नजर आईं। उन्होंने व्हाइट आउटफिट पहना हुआ था। वह एक टेबल पर बैठीं किसी की ओर देख रही थीं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, द वैक्सीन वॉर के सेट से।

'द वैक्सीन वॉर' कोविड-19 महामारी के बीच मेडिकल फील्ड और वैज्ञानिकों के सपोर्ट और समर्पण को ट्रिब्यूट देती है। यह भारतीय वैज्ञानिकों और उन लोगों पर आधारित है, जिन्होंने कोविड के खिलाफ एक वैक्सीन विकसित करने के लिए 2 साल से ज्यादा का वक्त दिया और दिन-रात एक कर दिया। यह भारतीय वैज्ञानिकों की कहानी का पक्ष बताती है जो वैश्विक निर्माताओं के दबाव से बचे रहे और देशवासियों के जीवन को बचाने के लिए विषम परिस्थितियो में काम किया।

सोलोथर्न की घड़ियों में कभी नहीं बजते हैं 12, वजह है अजीबो-गरीब

दुनिया के हर देश के घड़ी में 12 जरूर बजते हैं। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि ये बात सच नहीं है तो आप इसपर यकीन ही नहीं करेंगे। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं जहां यकीनन घड़ियों में 12 बजते ही नहीं है क्योंकि यहां की घड़ियों में 1 से लेकर 11 तक के ही नंबर दिए जाते हैं। इसलिए यहां 11 के बाद सीधा एक बजता है। दरअसल, स्विटजरलैंड का एक शहर ऐसा है जहां घड़ियों में 12 नहीं बजते। इस शहर का नाम है सोलोथर्न। इस शहर की सबसे खास बात ये है कि इस शहर के लोगों को 11 नंबर से काफी प्यार है। यहां की ज्यादातर चीजों का डिजाइन इस नंबर के आस-पास ही घूमता है। यहां चर्चों और चैपलों की संख्या भी 11-11 है। ऐतिहासिक झरने, संग्रहालय और यहां तक की टावर भी 11 नंबर के हैं। यहां तक की यहां के सेंट उर्सूस के मुख्य चर्च में भी आपको 11 नंबर के प्रति लोगों का प्यार नजर आ जाएगा। ये चर्च 11 साल में बनकर तैयार हुआ था। इधर की सीढ़ियों का सेट तीन है, जिसमें हर सेट में 11 पंक्ति यां, 11 दरवाजे, 11 घंटियां और 11 वेदियां हैं। इस नंबर के प्रति लोगों में इतना लगाव है कि यहां हर चीज में 11 नजर आ ही जाएगा। लोगों के जीवन में भी 11 नंबर का खास महत्व है। यहां के लोग हर 11वें जन्मदिन पर खास तरह से सेलेब्रेट करते हैं। जन्मदिन के मौके पर दिए जाने वाला प्रॉडक्ट भी 11 नंबर से जुड़ा है। जैसे ऑफी बीयर यानी बीयर 11, 11-आई चॉकोलेड। इसी वजह से यहां एक ऐसी घड़ी है, जहां कभी 11 नहीं बजता है। इस शहर के टाउन स्क्वेयर पर एक घड़ी लगी है। उस घड़ी में घंटे की सिर्फ 11 सुइयां हैं। 12 उसमें से गायब है। 11 नंबर के प्रति लोगों का लगाव के बारे में यहां कुछ पौराणिक मान्यता है। एक मान्यता के अनुसार, एक समय में सोलोर्थन के लोग काफी मेहनत करते थे। काफी काम करने के बावजूद उनकी जिंदगी में खुशियां नहीं थी। इस बीच यहां की पहाड़ियों से एल्फ आने लगे और यहां के लोगों का हौसला बढ़ाने लगे। एल्फ के आने से उनके जीवन में खुशहाली आने लगी। जर्मनी भाषा में एल्फ का मतलब 11 होता है। इसलिए यहां के लोगों ने एल्फ को 11 नंबर से जोड़ दिया। उनके एहसानों को याद करने के लिए लोगों ने 11 नंबर को महत्व देना शुरू कर दिया।

अजब-गजब

1972 में एंडीज पर्वत से टकराकर क्रैश हो गया था प्लेन!

दोस्तों की डेडबॉडी खाकर जिंदा रहे लोग

नेपाल प्लेन हादसे ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। 72 लोगों के मारे जाने की खबर है। सबसे ज्यादा हैरान करने वाला है प्लेन हादसे का वायरल वीडियो जिसने बताया कि अंदर का हाल कैसा था और लोग उस समय क्या कर रहे थे। इतिहास में ऐसे कई प्लेन हादसे हैं जिनकी कहानी हैरान करने वाली हैं। इन्हीं में से एक हादसा हुआ था साल 1972 में जब एक विमान एंडीज पर्वतमाला से टकरा गया था जिसमें दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इस हदासे में जो लोग बचे थे, उन्होंने बताया कि वो लाशें खाकर जिंदा रहे थे।

पिछले साल यानी, 13 अक्टूबर 2022 को ruguayan Air Force Flight 571 के क्रैश के 50 साल पूरे हो गए। इस मौके पर लोगों ने प्लेन क्रैश में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। आज भी जब लोग उस दुर्भाग्यपूर्ण विमान की बात करते हैं या उसके बारे में पहली बार जानते हैं तो उनकी रूह कांप जाती है। ये हादसा 13 अक्टूबर 1972 को हुआ था जब उरुग्वे से चिली ये विमान यात्रा कर रहा था। अचानक विमान पहाड़ से टकरा गया और प्लेन क्रैश कर गया। इस हादसे में कुछ लोग मौके पर ही मर गए थे और कुछ चोट की वजह से, या ठंड के चलते मर गए। कुल 29 लोगों की मौत हुई थी।

उससे ज्यादा हैरानी की बात ये थी कि 16 लोगों की जान बच गई थी पर उन्हें अपने आप को जिंदा

रखने के लिए काफी कोशिश करनी पड़ी थी। वो 72 दिन बर्फीले पहाड़ में फंसे थे। उनके पास खाना भी नहीं था, ऐसे में उन्हें डेड बॉडी को ही खाना पड़ा था। 23 दिसंबर को उन्हें वहां से निकाला गया था। विमान पर एक मेडिकल स्टूडेंट रॉबर्टो कनेसा था जिसने सबको डेड बॉडी खाने का आइडिया दिया था। उसने कांच के टुकड़े से अपने दोस्तों की लाश से मांस निकालकर खाना शुरू किया था। उसने बताया था कि बचने के बाद उसने दोस्तों के परिवार को ये बात बता दी थी। रमोन सबेला नाम के एक बचे हुए व्यक्ति ने बताया कि शुरुआत में इंसानी मांस को खाना बहुत घिनौना लग रहा था, पर उन्हें धीरे-धीरे आदत पड़ गई थी। उन लोगों ने एक दूसरे को ये इजाजत दे दी थी कि अगर वो मर गए तो दूसरा उनकी लाश को खा सकता है। उन्होंने बताया कि स्किन और फैट से उन्होंने खाना शुरू किया था, फिर अंग और दिमाग भी वो खा गए थे।

हादसे के 10 दिन बाद सर्च ऑपरेशन बंद कर दिया गया था क्योंकि सफेद विमान, बर्फ में नजर नहीं आ रहा था। दो महीने बाद कनेसा पराडो एक 10 दिन की यात्रा पर निकले और ट्रेकिंग करते हुए मदद मांगने के लिए पहुंचे। 22 दिसंबर को हेलीकॉप्टर वहां पहुंचा और उन लोगों को बचाने में कामयाब हुआ। जब वो दुनिया के सामने आए तो लोगों ने उन्हें करिश्मा बताया और तब से ही इस हादसे को Miracle of the Andes भी कहा जाने लगा।

नौजवान, स्मार्ट और जिज्ञासू हैं राहुल गांधी : रघुराम राजन

» आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने की कांग्रेस नेता की तारीफ

» राजनीति में आने की बात से राजन ने किया साफ इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा में दिखे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने राहुल गांधी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी पप्पू नहीं हैं, वह एक स्मार्ट नेता हैं। उनको लेकर जो धारणा बन गई है, वह कतई गलत है।

टीवी चैनल को दिए गए साक्षात्कार में रघुराम राजन ने कहा कि मैंने राहुल गांधी के साथ पूरा एक दशक बातचीत में निकाला है। वह पप्पू बिल्कुल नहीं हैं। वे नौजवान, स्मार्ट और जिज्ञासू हैं।

उन्होंने कहा, आपको अपनी प्राथमिकताएं पता होनी चाहिएं और उनका मूल्यांकन करने की अच्छी समझ होनी चाहिए और राहुल गांधी ऐसा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। रघुराम राजन ने उनके राजनीति में आने के कयासों को भी दरकिनार किया। उन्होंने कहा, वह किसी भी राजनीतिक दल के साथ जुड़ने नहीं जा रहे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में इसलिए शामिल हुआ, क्योंकि मुझे उस यात्रा के सिद्धांतों पर विश्वास था। इसलिए मैं उनके साथ खड़ा हुआ। उन्होंने कहा, मैं किसी भी राजनीतिक दल में नहीं आने वाला हूं।

नरेंद्र मोदी ही नहीं मनमोहन सरकार में भी जता चुके हैं विरोध

रघुराम राजन कुछ दिनों से मोदी सरकार के खिलाफ बोल रहे हैं और सरकार की आर्थिक नीतियों पर टिप्पणी कर रहे हैं। ऐसे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मनमोहन सरकार के समय में भी वह कई मुद्दों पर सरकार के खिलाफ खड़े हुए थे। गौरतलब है कि राजन ने भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बाद कहा था कि साल 2023 भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ ही साथ बाकी दुनिया के लिए भी कठिन होगा। उन्होंने कहा था कि सरकार देश के विकास के लिए आर्थिक सुधारों को लागू करने में विफल रही। नीतियां निम्न मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए, क्योंकि कोरोना के समय सबसे ज्यादा पीड़ित यही वर्ग था।

परिजनों ने बताया याकूब कुरैशी की जान को खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और उनके दोनों बेटों को कोसों दूर जेल में शिफ्ट करने के बाद मेरठ पुलिस-प्रशासन ने उनकी पेशी के बारे में जानकारी ली। बताया गया कि तीनों की वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी हो सकती है। उनको हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। पूर्वांचल के बदमाशों के बीच रहने पर याकूब के परिवार ने खतरा जताया है। पुलिस का कहना है कि जेल प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा में तीनों को रखा है।

वहीं, कार्टूनिस्ट प्रकरण में याकूब के खिलाफ बी-वारंट लेने के लिए पुलिस ने बुधवार को कोर्ट में अर्जी लगाई। बृहस्पतिवार को सुनवाई होनी तय हुई है। सोनभद्र जेल में याकूब कुरैशी, सिद्धार्थनगर में फिरोज, बलरामपुर में इमरान कुरैशी को शिफ्ट किया गया है। एसपी बलरामपुर केशव कुमार का कहना है कि इमरान को हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। बलरामपुर जेल में फतेहगढ़ के शातिर विपुल राठौर सहित कई अपराधी हैं। इमरान को कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। वहीं, सिद्धार्थनगर जेल के अधीक्षक अभिषेक चौधरी ने बताया कि फिरोज को भी हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। सिद्धार्थनगर जेल में कुख्यात योगेश भदौड़ा सहित कई अपराधी बंद हैं। सोनभद्र जेल में याकूब कुरैशी को हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। तबीयत खराब होने के चलते जेल परिसर स्थित अस्पताल में याकूब का इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, तीनों को दूरदराज जेल में शिफ्ट कर दिया है। उनकी पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा कराए जाने की बात कही है।

35 यात्रियों को छोड़ उड़ गई सिंगापुर फ्लाइट

» निर्धारित समय से पांच घंटे पहले ही विमान ने भर ली उड़ान, यात्री रहे परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्कूट एयरलाइन का एक विमान अपने पूर्व निर्धारित समय से पांच घंटे पहले रवाना हो गया। इससे 35 यात्री एयरपोर्ट पर ही छूट गए। सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे 35 यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। स्कूट एयरलाइन का विमान सिंगापुर के लिए शाम 7:55 बजे अमृतसर से उड़ान भरता है।

बीते रोज शाम को 35 यात्री जब एयरपोर्ट पहुंचे तो पता चला कि विमान दोपहर करीब तीन बजे जा चुका है। इसके बाद इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा शुरू कर दिया। सभी यात्री देर रात तक एयरपोर्ट पर बैठे परेशान होते रहे। यात्रियों का कहना है कि उन्हें कोई भी जानकारी नहीं दी गई। एयरलाइन ने भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। चंडीगढ़ से आए बलविंदर सिंह ने बताया कि उनकी ऑस्ट्रेलिया में कनेक्टेड फ्लाइट थी। उनके पास एयरलाइन का मैसेज आया था। इसमें लिखा था कि विमान अपने निर्धारित समय शाम 7:55 बजे उड़ान भरेगा। मगर एयरलाइन के अधिकारियों इसके बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं की।

उधर, स्कूट एयरलाइन के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने ई-मेल भेजकर सभी यात्रियों को विमान के रि-शेड्यूल होने के बारे में सूचित किया था। ऐसे में बहुत सारे यात्री तय समय पर एयरपोर्ट पहुंच गए थे। जो यात्री नहीं आए, उनके नाम की बार-बार घोषणा भी की जाती रही लेकिन यात्रियों का कहना है कि उनको कोई ई-मेल नहीं मिला। बता दें कि, करीब एक माह पहले भी घरेलू यात्री विमान अपने यात्रियों को छोड़कर उड़ान भर गया था।

भाजपा राज में किसानी छोड़ रहा अन्नदाता : सीएम बघेल

» छत्तीसगढ़ में बढ़ा खेती का रकबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। सीएम भूपेश बघेल ने तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के बेलपान में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बड़ा बयान दिया है। सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों का क़र्ज़ा बढ़ते जा रहा था, लोग किसानी छोड़ रहे थे, कुछ किसानों ने परेशान होके खेती से मुँह मोड़ लिया था, सरकार बनते ही हमने किसानों का क़र्ज़ा माफ़ किया।

सरकार ने अपना वादा पूरा किया। कल तक हमने 100 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी कर ली है। उत्पादन दो गुना हो गया है। किसानों की संख्या और जमीन का रकबा दोनों बढ़े हैं। सरकारी योजनाओं से किसानों को ताकत मिल रही है, किसानों की ताकत बढ़ने से खेती लाभदायक हुई है। छत्तीसगढ़ में हमारे अन्नदाता अब खुश हैं, फसल भी बहुत अच्छी हो रही है। इस साल समर्थन मूल्य में मूंग दाल, उड़द भी खरीदा जाएगा।

सीएम ने भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर पर तंज कसते हुए कहा कि डी. पुरंदेश्वरी लौट चुकी हैं,अजय जामवाल अप्रासंगिक हो गए हैं और अब ओम माथुर भी खाली हाथ लौटेंगे । विधायकों के टिकट कटने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं चाहता हूं कि पूरे 71 विधायकों को टिकट मिले। सीएम के इस बयान के कई राजनीतिक मायने है । सीएम चुनावी वर्ष में टिकट वितरण तक मौजूदा विधायक को संतुष्ट रखना चाहते हैं,ताकि पार्टी में अंसतोष और विखराव जैसी स्थिति ना हो।

सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद सीएम भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत तखतपुर विधानसभा क्षेत्र रवाना हुए। यहां बेलपान और खैरी में सीएम भेंट मुलाकात कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। बेलपान में एक कार्यक्रम के जरिए सीएम जनता से मुलाकात और उनसे संवाद कर रहे हैं। सीएम ने इस दौरान 100 लाख मिट्रिक टन धान खरीदी करने पर किसानों को बधाई भी दी। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। सरकार से मोटे अनाज को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कोदो बोने वाले किसानों को योजना के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। कई लाभार्थियों ने इस दौरान सीएम से सीधे संवाद करते हुए सरकार के योजनाओं के क्रियान्वयन और उससे होने वाले लाभ की भी जानकारी दी ।

पूर्व विधायक सेंगर को मिली जमानत पीड़िता ने खुद के लिए बताया खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। उन्नाव दुष्कर्म मामले में सजायाफ्ता पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को न्यायालय से अंतरिम जमानत मिलने पर पीड़िता ने खुद को परिवार समेत असुरक्षित बताया है। इस संबंध में एक वीडियो जारी करके पीड़िता ने कहा कि सजायाफ्ता सेंगर को दिल्ली पुलिस की हिरासत और सीबीआई की निगरानी में रखा जाए।

बोलीं- निगरानी में रखा जाए

वीडियो के माध्यम से यह भी कहा कि मेरी बहन की शादी में भी कोई पुरुष नहीं था। उस समय मेरे चाचा को जमानत नहीं मिली थी। पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में मांग की है कि सजायाफ्ता पूर्व विधायक को सिविल पुलिस की निगरानी में न रखा जाए। गौरतलब है कि उन्नाव रेप कांड मामले में कुलदीप सिंह सेंगर उम्र कैद की सजा काट रहा है। दुष्कर्म कांड का मामला वर्ष 2017 में सामने आया था। 8 अप्रैल 2018 को युवती व उसके परिजनों ने मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर आत्मदाह का प्रयास किया।

इस बीच किशोरी के पिता की न्यायिक हिरासत में हुई मौत ने तूल पकड़ लिया। मामले में 20 दिसंबर 2019 को सेंगर को उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। रेप पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में मौत के मामले में सेंगर, उसके भाई और पांच अन्य आरोपियों को 4 मार्च 2020 को 10 साल की सजा सुनाई गई थी।

पीएम-सीएम को लिखा पत्र

दुष्कर्म पीड़िता ने अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर दो पन्नों का पत्र भी लिखा है। इसे सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अलग-अलग मीडिया संस्थानों को भेजा गया है। इसमें पीड़िता ने बताया कि मेरे परिवार की सुरक्षा के मद्देनजर विधायक को दिल्ली पुलिस या सीबीआई की निगरानी में रखा जाए।

रफ्तार के हाई-वे पर टकरा गए वाहन, नौ लोगों की चली गई जान

» महाराष्ट्र के रायगढ़ में हुआ दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ से गुरुवार सुबह ही एक भीषण हादसे की खबर आई है। बताया गया है कि यहां एक ट्रक और कार की टक्कर हो गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा मुंबई से 130 किमी दूर रायगढ़ के रेपोली गांव में सुबह 4.45 बजे हुई। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग रिश्तेदार थे और रत्नागिरी के गुहागर जा रहे थे।

वहीं, सामने से आ रहा ट्रक मुंबई जा रहा था। मृतकों में एक

छोटी बच्ची, तीन महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और चार साल की एक घायल लड़की को मनगांव के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तालाब में गिरी कार, चार हो गए मौत का शिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हापुड़ । उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसा हापुड़ के कपूरपुर थाना इलाके के गांव समाना कमरूदीन नगर मार्ग पर हुआ।

हापुड़ में बड़ा हादसा

जानकारी के अनुसार, देर रात एक कार बेकाबू होकर तालाब में गिर गई। हादसे में कार सवार चारों लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से चारों के शव और गाड़ी को बाहर निकलवाया। चारों लोग गाजियाबाद से लौट रहे थे। हादसे के काफी देर बाद लोगों को पता चला। मृतकों की पहचान समाना गांव के रहने वाले राहुल, हारुन, शौकीन और मूलरूप से बुलंदशहर जनपद और फिलहाल गांव ककराना में रहने वाले अरुण के रूप में हुई है। सभी गाजियाबाद के वेदांता फार्म हाउस में पार्किंग की ठेकेदार का काम करते थे। बुधवार की रात को वह गाजियाबाद से घर आ रहे थे। जैसे ही कार तालाब के पास पहुंची तभी बेकाबू होकर तालाब में गिर गई। जिसमें चारों लोग डूब गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो रहा है।

कश्मीर में मशाल जुलूस से भारत जोड़ो का स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करेगी। प्रदेश के प्रवेश द्वार लखनपुर में शाम पौने छह बजे यात्रा का तीन हजार मशाल के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। नेकां के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती समेत प्रदेश के अन्य दलों के नेता शामिल होंगे। लखनपुर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों ने इसके लिए तैयारी पूरी कर ली है। प्रदेश में यात्रा के प्रवेश को देखते हुए रूट डायवर्जन भी लागू रहेगा।

» अब्दुल्ला और महबूबा भी होंगी शामिल

पठानकोट से जम्मू आने वाले वाहनों को पंजाब के कीड़ियां से ही डायवर्ट कर दिया जाएगा। इस रूट से वाहन होते हुए कठुआ के लौंडी मोड़ पर पठानकोट-जम्मू हाईवे पर निकलेंगे। अगले दिन शुक्रवार को राहुल की यात्रा कठुआ के हटली मोड़ से शुरू होकर चड़वाल तक आएगी। यह यात्रा 12 दिन तक प्रदेश में रहेगी। 30 जनवरी को यात्रा का समापन श्रीनगर में होगा। यहां शेर ए कश्मीर स्टेडियम में रैली प्रस्तावित है, जहां देशभर के विभिन्न पार्टियों के नेता शामिल होंगे। 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुआ यह मार्च राहुल गांधी द्वारा श्रीनगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ समाप्त होगा।

भारत जोड़ो यात्रा 19 जनवरी की शाम पंजाब से लखनपुर (जम्मू-कश्मीर) में प्रवेश करेगी। शाम 5.45 बजे से 6.15 बजे के बीच महाराजा गुलाब सिंह की प्रतिमा के पास ध्वजारोहण समारोह होगा। रात में रुकने के बाद राहुल गांधी 20 जनवरी को सुबह सात बजे कठुआ के हटली मोड़ से यात्रा की अगुवाई करेंगे और चढ़वाल में रात को यात्रा रुकेगी। 22 जनवरी को हीरानगर से डुग्गर हवेली नानक चक्क (21 किमी.) यात्रा होगी।

अरविंद बंगारी बने मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल कर दिए गए है। यूपी के तीन आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। अरविंद मलप्पा बंगारी को मुजफ्फरनगर का जिलाधिकारी बनाया गया है। इससे पहले वह पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात थे।

आईएएस चंद्र भूषण सिंह को डीएम मुजफ्फरनगर से अपर आयुक्त परिवहन निगम बनाया गया है। साथ में परिवहन आयुक्त का प्रभार दिया गया है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक अरविंद मलप्पा बंगारी को मुजफ्फरनगर का जिलाधिकारी बनाया गया है। चैत्रा वी को अपर आयुक्त मुरादाबाद से एमडी पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ बनाया गया है।

कानपुर में एक माह फंदे पर लटका रहा सुदामा का शव

» पत्नी ननद के यहां से लौटी तो हुआ घटना का खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर के बिल्हौर में पति से विवाद के बाद ननद के घर चली गई महिला आज जब लौटी तो कंकाल बन चुका पति का शव फंदे से लटका मिला। आशंका जताई जा रही है कि शव करीब 29 दिन से फंदे से लटका था। आबादी से दूर स्थित घर में बाहर से ताला लगा था। इस वजह से किसी को घटना की भनक भी नहीं लगी।

घटना अरौल थाना क्षेत्र के गिलवट अमीनाबाद गांव की है। सुदामा शर्मा (30) पत्नी कीर्ति शर्मा और दो बच्चों के साथ रहता था। पिता शिवकुमार और दो भाइयों से संपत्ति का बंटवारा होने के बाद गांव से थोड़ा दूर नए घर में रहने लगा था। पत्नी कीर्ति ने बताया कि 18 दिसंबर को पति से विवाद हो गया था। इसके बाद वह दोनों बच्चों के साथ ननद के घर उत्तरीपुरा चली गई थी। 21 दिसंबर तक पति से मोबाइल फोन पर बात होती रही। इसके बाद से पति से कोई बात नहीं हुई। आशंका है कि 21 दिसंबर को ही पति ने घर के बाहर के दरवाजे पर ताला डाल दिया। इसके बाद किसी तरह अंदर जाकर फंदे से लटक गया। कई दिन से बात न होने पर जब वह लौटी तो पति का शव लटकता मिला। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। शव 25 से 30 दिन पुराना लग रहा है।

त्रिपुरा में कांग्रेस की रैली पर भाजपाइयों के हमले में 15 जख्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के कुछ घंटे बाद कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि मजलिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में चार स्थानों पर एक बाइक रैली में भाजपा समर्थित गुंडों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला किया, जिसमें एआईसीसी महासचिव अजय कुमार सहित 15 पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी घायल हो गए।

हालांकि, पुलिस ने कहा कि कांग्रेस की रैली पर पश्चिम त्रिपुरा जिले में कुछ अज्ञात लोगों ने हमला किया और 10 पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए। त्रिपुरा में 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 16 फरवरी को होंगे और मतगणना दो मार्च को होगी।

जोशीमठ : राहत शिविर भी दरारों की चपेट में

» दहशत में लोग, प्रशासन ने कहा- पुरानी हैं दरारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोशीमठ । भू-धंसाव के चलते जोशीमठ में हालात लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं। जोशीमठ में प्रभावितों के लिए राहत शिविर बनाए गए संस्कृत महाविद्यालय भवनों में भी बारीक दरारें दिख रही हैं। हालांकि ये पुरानी बताई जा रही हैं।

इससे पहले जीएमवीएन का जो गेस्ट हाउस यहां आने वाले वैज्ञानिकों को ठिकाना बना था,उसमें भी दरारें आने से हडकंप मच गया। गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस का जेसीबी की मदद से तोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। होटलों को तोड़ने की शुरुआत करने के बाद अब आवासीय भवनों को ढहाये जाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस

849

भवनों में दरारें आ चुकी हैं अब तक

बीच आठ और परिवारों को राहत शिविरों में ले जाया गया। अब तक 258 परिवारों को सुरक्षा की दृष्टि से शिफ्ट किया जा चुका है। जोशीमठ में भू-धंसाव नहीं रुक रहा है। अब तक शहर के 849 भवनों में दरारें आ चुकी हैं। वहीं, होटल माउंट व्यू और मलारी इन के बाद अब दो अन्य कॉमेट और स्नो क्रेस्ट होटलों में भी दरारें आई हैं। होटल आपस में मिलने लगे हैं। वहीं, तहसील भवनों के ऊपरी और निचले हिस्से में भी भू-धंसाव हो रहा है। जोशीमठ में जांच के लिए आने वाले वैज्ञानिकों और अफसर गांधी मैदान के पास जीएमवीएन के वीआईपी गेस्ट हाउस में ही ठहरते थे। भवन में दरार दिखते ही कर्मचारियों ने इसकी सूचना चमोली के जिला पर्यटन अधिकारी को दी।

पहले गेस्ट हाउस के प्रथम तल के कक्ष संख्या 204 से 208 तक पांच कमरों की दीवार में हल्की दरारें थीं। अब देखा गया तो ये दरारें और बढ़ गईं। कमरों और कार्यालय की दीवारों पर दरारें उभरी हुई हैं। इसके निचले तल में कुछ जगह पर टाइल्स भी उखड़ने लग गई हैं। इस लिहाज से गेस्ट हाउस के पांच डीलक्स कमरे असुरक्षित हो गए हैं। जिनमें पर्यटकों को ठहराना ठीक नहीं होगा। जल्द ही इस भवन को भी असुरक्षित घोषित करने के आसार हैं।

दरारें आने के बाद लगा स्टीकर

नगर में थाने के पीछे वाले भवनों में भी दरारें आ गई हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में यहां दरारें आई हैं। एक पुलिस कर्मी ने बताया कि थाने के पीछे एक बड़ा गड्ढा बना हुआ है और दो दिन में यहां दरारें काफी बढ़ी हैं। भू-धंसाव को लेकर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण चमोली द्वारा जारी दैनिक रिपोर्ट के अनुसार जोशीमठ नगर क्षेत्र के 9 वार्ड में 849 भवन प्रभावित हुए हैं। इसमें से 181 भवन ऐसे हैं जिनको असुरक्षित जोन के अंतर्गत रखा गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।